NSDL
Technology, Trust & Reach

द फाइनेंशियल कैलिडोस्कोप

डिफाइनिंग द डिफरेंट शेप्स ऑफ़ इन्वेस्टमेंट

जून - अगस्त 2022

एनएसडीएल द्वारा डीमैट के 25 गौरवशाली वर्ष

संपादक की कलम से

प्रिय पाठक,

भारतीय शेयर बाजार एशिया के सबसे पुराने बाजारों में से एक है और लगभग 200 साल पुराना है । मुंबई के टाउन हॉल के बाहर एक बरगद के पेड़ के नीचे ट्रेडिंग करने से लेकर लोगों को अपने घरों या कार्यालयों में अपनी सहूलियत के अनुसार शेयरों को खरीदने या बेचने की सुविधा प्रदान करने तक इसने काफी लंबा सफ़र तय किया है। बात चाहे सेटलमेंट चक्र की हो या फिर बाज़ार के बुनियादी ढांचे की, भारत ने आज वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी पहचान बनाई है और इस परिवर्तन में एनएसडीएल के तकनीकी समाधान सबसे आगे रहे हैं। सेबी ने निवेशकों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई है और इसी वजह से बीते वर्षों में उनका भरोसा जीता है। शेयर बाजार की प्रगति में सेबी के प्रयास बेहद महत्वपूर्ण रहे हैं। आज बाजार परिपक्व और चुस्त है और यह दर्शाता है कि खुदरा निवेशकों को मौजूदा बुनियादी ढांचे एवं उपलब्ध सहायता पर पूर्ण विश्वास है।

द फाइनेंशियल कैलिडोस्कोप का यह अंक इस बात पर प्रकाश डालता है कि पिछले कुछ सालों में प्रतिभूति बाजार में किस प्रकार बदलाव आया है और कैसे एनएसडीएल ने इसमें एक अहम भूमिका निभाई है।

हम आपको 'नॉलेज विन्स कॉन्टेस्ट' में भाग लेने के लिए और इस समाचार पत्र के अंत में दी गई लिंक पर आपकी प्रतिक्रिया और सुझाव साझा करने के लिए भी आमंत्रित करते हैं।

सादर,

एनएसडीएल - आपकी डिपॉजिटरी

डिपॉजिटरी प्रणाली की स्थापना

उस दौर में ट्रेडिंग से संबंधित सभी काम कागज-आधारितथे जिसकी वजह से खराब डिलीवरी और शीर्षक के विलंबित हस्तांतरण जैसी कई बड़ी समस्याएँ उत्पन्न होती थी । आगे चलकर लेन-देन की संख्या में वृद्धि के साथ ही इसमें शामिल प्रतिभूतियों पर नज़र रखना, बड़े पैमाने पर हाथों से की जाने वाली कागजी कार्रवाई, तथा लेन-देन को संबंधित समझौतों में परिवर्तित करना अत्यंत जटिल हो गया था । प्रतिभूतियों की प्राप्ति में स्वाभाविक तौर पर विलंब होता था, साथ ही बैंकिंग एवं डाक सेवाओं के सीमित बुनियादी ढांचे की वजह से ऐसे शेयर प्रमाणपत्रों के संग्रहण को प्रबंधित एवं नियंत्रित करना बेहद मुश्किल हो गया था। वर्ष 1995 में डिपॉजिटरी अध्यादेश की घोषणा ने नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया, जो भारत की पहली डिपॉजिटरी थी।

देश में डिपॉजिटरी की स्थापना हेतु एक कानूनी ढांचा प्रदान करने के लिए वर्ष 1996 में डिपॉजिटरी अधिनियम को भारतीय संसद द्वारा अधिनियमित किया गया । इस अधिनियम ने प्रतिभूतियों के प्रवेश-आधारित हस्तांतरण तथा प्रतिभूति व्यापार के सेटलमेंट के लिए पूरी प्रक्रिया को कागजी कार्रवाई रहित बनाने का मार्ग प्रशस्त किया।

डिपॉजिटरी निवेशकों को अपनी प्रतिभूतियों को इलेक्ट्रॉनिक रूप में रखने के साथ-साथ डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स द्वारा लेन-देन की प्रक्रिया पूरी करने की सुविधा प्रदान करता है। डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट कोई भी वित्तीय संस्थान, बैंक, ब्रोकर या सेबी के दिशा-निर्देशों के अनुसार पात्र कोई अन्य संस्था शामिल हो सकती है। डिपॉजिटरी खातों में रखी गई प्रतिभूतियाँ बैंक खातों में जमा धनराशि के समान होती हैं। खाते से सामान्य हस्तांतरण के माध्यम से प्रतिभूतियों के स्वामित्व को हस्तांतरित किया जाता है। यह विधि सामान्य रूप से कागजी कार्रवाई से जुड़े सभी जोखिमों और परेशानियों को दूर करती है। इसके परिणामस्वरूप, कागजी स्वरूप में प्रमाणपत्रों के लेन-देन की तुलना में डिपॉजिटरी के परिवेश में लेनदेन की लागत काफी कम होती है।

एनएसडीएल ने 'डीमैट' शब्द की शुरुआत करने के साथ-साथ अत्याधुनिक सुविधाओं वाले बुनियादी ढांचे की स्थापना की, जो भारतीय प्रतिभूति बाजारों में अभौतिक रूप में धारित और व्यवस्थित अधिकांश प्रतिभूतियों को संभालता है। आजकल बिजली की गति से तथा उच्च पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ लेन-देन होते हैं।

एनएसडीएल डीमैट खाता होने के फायदे

- प्रतिभूतियों के तत्काल हस्तांतरण की सुविधा
- लेन-देन की लागत में कमी
- फोलियो/खातों के समेकन का सुविधाजनक तरीका। विभिन्न प्रकार की प्रतिभूतियों, जैसे कि इक्विटी, डिबेंचर, बॉन्ड, सरकारी प्रतिभूतियाँ, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड, म्यूचुअल फंड यूनिट आदि को एक ही खाते में रखने की सुविधा।
- विभिन्न कंपनियों के विभाजन/समेकन/विलय आदि की स्थिति में डीमैट खाते में शेयरों, म्यूचुअल फंड इकाइयों, इत्यादि के स्वचालित क्रेडिट की सुविधा।

भारतीय शेयर बाजार को एनएसडीएल ने किस प्रकार बदला

25 वर्षों की अवधि में भारतीय शेयर बाजार डिजिटल युग में स्थापित किया

एनएसडीएल भारत की पहली और दुनिया की अग्रणी डिपॉजिटरी में से एक है। इसने प्रतिभूतियों को अभौतिक रूप में रखने और हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करके भारतीय प्रतिभूति बाजार में बदलाव लाने में अहम भूमिका

निभाई है। डीमैट संपत्तियों के मूल्य में एनएसडीएल की बाजार हिस्सेदारी 89% से अधिक है। एनएसडीएल के डीमैट खाते देश के 99% से अधिक पिन कोड तथा दुनिया भर के 189 देशों में हैं, जो बड़े पैमाने पर हमारी मौजूदगी को दर्शाते हैं। आज के दौर में डिजिटलीकरण और ऐप्स बहुचर्चित शब्द बन चुके हैं, परंतु एनएसडीएल द्वारा भौतिक प्रतिभूतियों को अभौतिक स्वरूप में बदलने के बाद ही इस प्रक्रिया की शुरुआत हुई।

हमने हाल ही में भारतीय पूंजी बाजारों में संचालन के 25 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने का जश्न मनाया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री, श्रीमती निर्मला सीतारमण, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की अध्यक्षा, श्रीमती माधवी पुरी बुच, तथा मुख्य महा-डाकपाल, श्रीमती वीणा रामकृष्ण श्रीनिवास सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

हमारे इस सफर को प्रस्तुत करने वाला कॉर्पोरेट वीडियो देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

माई स्टाम्प और विशेष कवर

माननीय वित्त मंत्री ने भारतीय पूंजी बाजारों के विकास में एनएसडीएल के योगदान का सम्मान करते हुए माई स्टाम्प और विशेष कवर जारी किया। मुख्य महा-डाकपाल, श्रीमती वीणा रामकृष्ण श्रीनिवास ने इस कार्यक्रम का संचालन किया और बताया कि एनएसडीएल के रजत जयंती समारोह के उपलक्ष्य में टिकट जारी किया गया है।

डिबेंचर कोवेनेन्ट मॉनिटरिंग के लिए ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म:

सेबी की अध्यक्षा, श्रीमती माधवी पुरी बुच ने डिस्ट्रिब्यूटेड लेजर टेक्नोलॉजी (डी.एल.टी.) प्लेटफॉर्म लॉन्च किया, जो प्रतिभूतियों तथा डिबेंचर कोवेनेन्ट की निगरानी के लिए इस उद्योग का पहला प्लेटफॉर्म है। उन्होंने कहा, "भविष्य में आज के दिन को अत्यंत महत्त्वपूर्ण अवसर के रूप में भी याद किया जाएगा, क्योंकि बाज़ार में डिस्ट्रीब्यूटेड लेजर टेक्नोलॉजी के उपयोग के मामले में हम पहला कदम उठा रहे हैं।"

डिबेंचर कोवेनेन्ट मॉनिटरिंग के बारे में:

सेबी के मार्गदर्शन पर भारतीय बाजार में कॉरपोरेट बॉन्ड के नियामक ढाँचे को मजबूत करने के उद्देश्य से एनएसडीएल ने डिबेंचर की सुरक्षा और कोवेनेन्ट मॉनिटरिंग प्रणाली के लिए एक अत्याधुनिक डी.एल.टी. ब्लॉकचैन आधारित प्लेटफॉर्म विकसित किया है। यह जारीकर्ताओं और डिबेंचर ट्रस्टियों को कॉर्पोरेट बॉन्ड के पूरे जीवन चक्र का प्रबंधन करने में सक्षम बनाता है, साथ ही बाजार के इस खंड में अधिक अनुशासन और पारदर्शिता लाने के लिए दी गई प्रतिभूतियों एवं प्रसंविदाओं की निगरानी की सुविधा प्रदान करता है। कार्यप्रवाह पर आधारित इस प्लेटफार्म में प्रतिभूतियों के निर्माण (यानी उचित कदम उठाने, प्रभार लगाने, आदि), डिबेंचर ट्रस्टियों द्वारा कोवेनेन्ट की सतत निगरानी तथा क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों (सी.आर.ए.) द्वारा गैर-परिवर्तनीय प्रतिभूतियों की क्रेडिट रेटिंग, इत्यादि की प्रक्रिया को शामिल किया गया है। भारत के साथ-साथ दुनिया के कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार में इस तरह की ब्लॉकचेन तकनीक को पहली बार लागू किया गया है। इस तकनीक के बारे में ज्यादा जानकारी पाने हेतु हमारे कॉर्पोरेट वीडियो को देखने के लिए यहाँ क्लिक करें ।

एनएसडीएल की निवेशक केंद्रित पहल

एनएसडीएल ने हमेशा नई खोज करने का बीड़ा उठाया है तथा भारतीय निवेशकों को सशक्त बनाने के लिए कई नई सुविधाओं एवं सेवाओं की शुरुआत की है। स्थापना के 8 वर्षों से भी कम समय के भीतर हमने भारत के प्रतिभूति बाजार को T+2 निपटान चक्र को लागू करने में सक्षम बनाया। हमने फरवरी 2022 में T+1 निपटान चक्र को सक्षम किया, जिसे प्रतिभूति बाजार में अधिक शेयरों के लिए अलग-अलग चरणों में पेश किया जाएगा। निवेशकों के लिए हमारी कुछ महत्वपूर्ण सेवाओं की समय-सीमा नीचे दी गई है:

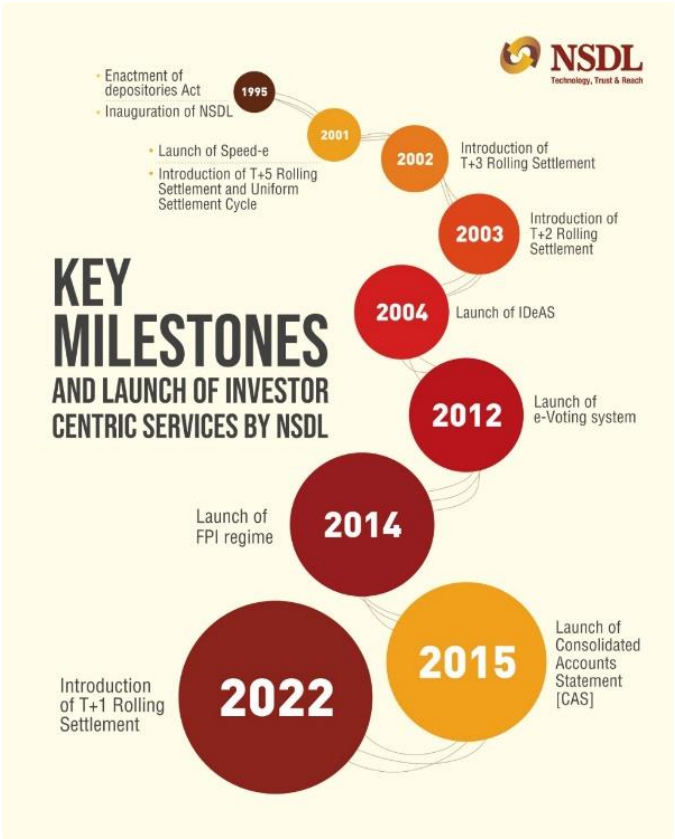

एनएसडीएल कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम:

एनएसडीएल और उसकी अनुषंगी कंपनियां लोगों की ज़िंदगियाँ सशक्त एवं उन्नत बनाकर समावेशी विकास में विश्वास करती हैं, जिससे उन समुदायों में सामाजिक-आर्थिक विकास को सक्षम बनाया जा सके जहां हम काम करते हैं। 'समाज के प्रति अपने दायित्वों को निभाने' की अवधारणा के साथ, कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के तहत एनएसडीएल ने सामाजिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से विभिन्न पहलों की शुरुआत की है। एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक होने के नाते, कंपनी आवश्यकता पर आधारित पहलों को लागू कर रही है जिनका समाज पर सार्थक और स्थायी प्रभाव पड़ता है। बड़े पैमाने पर प्रभाव को ध्यान में रखते हुए संचालित सीएसआर कार्यक्रमों/परियोजनाओं के माध्यम सेएनएसडीएल समाज के सुविधाहीन वर्ग तक अपनी पहुंच बना रहा है, साथ ही उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, पर्यावरणीय स्थिरता, आपदा राहत आदि के क्षेत्रों में ख़ास करके बनाये गए हमारे कार्यक्रमों का हिस्सा बनाकर अपनी स्थिति को बेहतर बनाने में सक्षम बनाता है। एनएसडीएल द्वारा चलाए जा रहे सीएसआर कार्यक्रम समुदायों के समग्र विकास को सुगम बनाते हैं। समाज में जरूरतमंद लोगों का सतत विकास हमारी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी का एक अभिन्न अंग है। हाल के दिनों में शुरू की गई हमारी कुछ पहलों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- अर्थ समर्थ परियोजना (बी.एफ.एस.आई. क्षेत्र में कौशल विकास के लिए शुरू की गई पहल)
- योगदान परियोजना (थैलेसीमिया के मरीजों को स्वास्थ्य सहायता)

- सहयोग परियोजना (कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए सहायता कार्यक्रम)
- शिक्षा सहयोग परियोजना (एक शैक्षिक छात्रवृत्ति कार्यक्रम)
- चलो स्कूल चलें (वंचित समुदाय के छात्रों को अध्ययन सामग्रियों का वितरण)

निवेशकों की शिक्षा के लिए एनएसडीएल की पहल

अ. निवेशक जागरूकता कार्यक्रम:

एनएसडीएल देश भर में आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला के माध्यम से निवेशकों से जुड़ता है, जिनका संचालन सेबी, एक्सचेंजों, सेबी के पास पंजीकृत बाजार मध्यस्थों और अन्य संस्थानों के सहयोग से किया जाता है। इस साल महामारी की वजह से एनएसडीएल ने अधिकांश कार्यक्रमों को वेबिनार के रूप में संचालित किया। पूंजी बाजार और निवेश से संबंधित विभिन्न विषयों पर आधारित इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन हिंदी, अंग्रेजी और अन्य क्षेत्रीय भारतीय भाषाओं में किया जाता है। पूंजी बाजार

का सामान्य परिचय प्रदान करने के अलावा, निवेशकों के हितों और बाजार में बदलाव के संबंध में विषयगत कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। एनएसडीएल उद्योग जगत के विशेषज्ञों और सेबी, एक्सचेंजों, डिपॉजिटरी भागीदारों तथा अपने कर्मचारियों में से इस विषय के विशेषज्ञों को इन कार्यक्रमों के लिए वक्ताओं के रूप में नियुक्त करता है। एनएसडीएल की वेबसाइट पर इन कार्यक्रमों की विस्तृत समय-सारणी काफी पहले ही प्रकाशित कर दी जाती है। इसके अलावा, ईमेल और एसएमएस के जरिए भी निवेशकों को इन कार्यक्रमों के बारे में सूचित किया जाता है। इन माध्यमों से निवेशक अपनी रुचि, आवश्यकता और सुविधा के अनुसार कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। हम प्रतिभागियों को हमारी वेबसाइट पर दिए गए लिंक के माध्यम से कार्यक्रमों के बारे में अपनी प्रतिक्रिया देने के लिए भी प्रोत्साहित करते हैं। अब तक एनएसडीएल ने सेबी, एक्सचेंजों और डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के साथ मिलकर 5200 कार्यक्रम आयोजित किए हैं और सीधे तौर पर 5.13 लाख से अधिक निवेशकों तक पहुंचने में सफलता पाई है।

छात्रों तक पहुंचने की पहल: एनएसडीएल की ओर से 'सर्टिफिकेशन इन कॅपिटल मार्केट'' नामक एक प्रमाणन कार्यक्रम संचालित किया जाता है। इस प्रमाणन कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को पूंजी बाजार का पर्याप्त अनुभव प्रदान करना तथा एक बार कमाई शुरू करने के बाद उन्हें विवेकपूर्ण निवेशक बनने में सक्षम बनाना है। इस कार्यक्रम में छात्रों को पूंजी बाजार की बारीकियों के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्रदान करने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इस कार्यक्रम के प्राध्यापकों में उद्योग जगत के विशेषज्ञ और बाजार के व्यवसायी शामिल हैं। महामारी की वजह से उत्पन्न हालात के कारण, इस कार्यक्रम को ऑनलाइन तरीके से आयोजित किया गया था।

ब. मार्केट का एकलव्य

130 करोड़ लोगों की आबादी वाले भारत में से केवल 7% लोग ही प्रतिभूति बाजार में निवेश करते हैं। भारत विश्व स्तर पर सबसे कम उम्र की आबादी वाले देशों में से एक है, जहाँ देश के नागरिकों की औसत आयु 29 वर्ष है। युवा नागरिकों का यह विशाल संसाधन देश के कार्यबल का हिस्सा बनने के साथ ही जनसांख्यिकीय लाभांश का सृजन कर सकता है। 'मार्केट का एकलव्य' वर्तमान में कॉलेज के छात्रों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया एक कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य उन्हें वित्तीय ज्ञान के साथ सशक्त बनाना है।

मार्केट का एकलव्य (5 घंटे का ऑनलाइन कार्यक्रम) बेहद सरल, आकर्षक एवं व्यावहारिक कार्यक्रम है, जिसे बुनियादी सिद्धांतों के जरिए युवाओं को वित्तीय जागरूकता और अनुशासन से लैस करने के लिए तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम निवेश की सरल अवधारणाओं को स्पष्ट करता है, जैसे कि निवेश एवं खर्चेके प्रबंधन के लिए सामान्य नियम, तथा कब, कहाँ और कैसे निवेश करें, निवेश के लिए क्या करें और क्या न करें आदि।

इसमें 5 मॉड्यूल शामिल हैं:

- मॉड्यूल 1 – 3 आई (I) – आय, मुद्रास्फीति और निवेश
- मॉड्यूल 2 – निवेश के 3 एस (S) – जल्दी शुरुआत करें, बड़े पैमाने पर विस्तार करें, लंबे समय तक बरकरार रखें
- मॉड्यूल 3 – प्राथमिक और द्वितीयक बाजार
- मॉड्यूल 4- अपरिचित शब्दों को जानना
- मॉड्यूल 5 – निवेश के लिए क्या करें और क्या न करें

"मार्केट का एकलव्य' कार्यक्रम के माध्यम से, आप बहुत से लोगों तक पहुंचने में सक्षम होंगे जिन्हें वित्तीय साक्षरता की आवश्यकता है। यही सही समय है जब लोग बाजार के बारे में जानने के साथ-साथ सही दृष्टिकोण एवं एनएसडीएल द्वारा अपनाए गए माध्यम के बारे में जानने के

लिए इच्छुक हैं। अगर इसे विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध कराया जाए, तो दुनिया भर के युवाओं को इस तरह की पहल से लाभ होगा।"

- एनएसडीएल के रजत जयंती समारोह के दौरान कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए माननीय वित्त मंत्री, श्रीमती निर्मला सीतारमण।

स. आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में देश के 75 शहरों में 'मार्केट का एकलव्य – एक्सप्रेस' कार्यक्रम

आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने तथा हमारे देश के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए भारत सरकार की पहल, आजादी का अमृत महोत्सव के महत्वपूर्ण अवसर पर एनएसडीएल ने निवेशकों को, खासतौर पर कॉलेज के छात्रों को जागरूक बनाने के उद्देश्य से देश के 75 शहरों में 'मार्केट का एकलव्य - एक्सप्रेस' नामक एक नई पहल शुरू की, जो बहुत जल्द आमदनी की शुरुआत के चरण में प्रवेश करेंगे तथा स्वाभाविक रूप से निवेश के विभिन्न तरीकों की तलाश करेंगे।

देश भर के छात्रों के लिए हिंदी सहित 8 भाषाओं में इस ऑनलाइन निवेश जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम ने युवाओं के लिए निवेश के लिए एक शुरुआती मार्गदर्शक की भूमिका निभाई। पूरे भारत के छात्रों को इस कार्यक्रम का लाभ मिला, क्योंकि यह आबादी के किसी विशिष्ट क्षेत्र तक सीमित नहीं था। 1 घंटे तक चले इस कार्यक्रम में छात्रों को मुख्य रूप से अपरिचित शब्दों, 3आई (I) – आय के प्रकार; मुद्रास्फीति एवं इसका प्रभाव, निवेश के प्रकार; 3एस (S) – जल्दी शुरू करें- चक्रवृद्धि ब्याज की ताकत, विस्तार, लंबे समय तक बरकरार रखना आदि के बारे में शिक्षित किया गया। आज़ादी का अमृत महोत्सव' के तहत देश के 75 से ज़्यादा शहरों के लगभग 5,000 छात्रों ने एनएसडीएल के 'मार्केट का एकलव्य - एक्सप्रेस' कार्यक्रम में भाग लिया।

8 जून, 2022 को नई दिल्ली में डीईए और सेबी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम, '75 वर्षों में भारत की आर्थिक यात्रा' में एनएसडीएल की 'मार्केट का एकलव्य-एक्सप्रेस' पहल पर एक ऑडियो-विजुअल फिल्म का प्रदर्शन किया गया। माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने इस बैठक की अध्यक्षता की, साथ ही उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए ऐसे प्रयासों के विस्तार की अहमियत को भी उजागर किया।

एनएसडीएल द्वारा प्रकाशित सामग्रियां

एनएसडीएल प्राइमर ऑन पर्सनल फाइनेंस' पुस्तिका:

एनएसडीएल ने निवेशकों की शिक्षा एवं वित्तीय साक्षरता पर 'एनएसडीएल प्राइमर ऑन पर्सनल फाइनेंस' नामक एक पुस्तक प्रकाशित की है, जिसका उद्देश्य निवेशकों के लिए धन सृजन हेतु चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका के रूप में कार्य करना है। यह पुस्तक नियमित रूप से बचत करके धन सृजन करने, विभिन्न माध्यमों से निवेश के लिए उपलब्ध अलग-अलग साधनों को अपनाने, तथा आप अपने कर की बेहतर तरीके से योजना कैसे बना सकते हैं और अपनी सेवानिवृत्ति की योजना कैसे बना सकते हैं, जैसी चीजों के बारे में व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करती है।

डीमैट खाता धारकों के लिए एनएसडीएल की ई-गाइड

डीमैट खाता धारकों के लिए एनएसडीएल की ई-गाइड निवेशकों को पूंजी बाजार, पूंजी बाजार में शामिल मध्यस्थों, एनएसडीएल द्वारा प्रदान किए जाने वाले विभिन्न उपयोगी उत्पादों एवं सेवाओं, आदि के बारे में एक पूरी जानकारी प्रदान करती है। इस ई-गाइड को नौ भाषाओं, यानी अंग्रेजी, हिंदी, मराठी, गुजराती, बंगाली, कन्नड़, मलयालम, तमिल और तेलुगू में प्रकाशित किया जाता है।

निवेशकों के लिए एनएसडीएल की सूचना विवरणिका

निवेशकों को विवेकपूर्ण निवेशक बनने के कुछ तरीके बताए गए हैं। इस विवरणिका में पूंजी बाजार के अवलोकन के अलावा निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण कोष (आई.ई.पी.एफ.) प्राधिकरण से दावा न किए गए शेयरों/लाभांश की वापसी का दावा करने के बारे में जानकारी दी गई है। इस विवरणिका को नौ भाषाओं, यानी अंग्रेजी, हिंदी, मराठी, गुजराती, बंगाली, कन्नड़, मलयालम, तमिल और तेलुगु में प्रकाशित किया जाता है।

प्रतिभूति बाजार पर पुस्तिका का प्रकाशन

सेबी, एक्सचेंजों और डिपॉजिटरी द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है, जिनका उद्देश्य निवेशकों को निवेश के तरीकों तथा पूंजी बाजार में निवेश करने से पहले आवश्यक सावधानी बरतने के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करना है। यह पुस्तिका भी हिंदी, अंग्रेजी और अन्य प्रमुख भारतीय भाषाओं में प्रकाशित हो चुकी है।

ऊपर बताई गई प्रकाशित सामग्रियां एनएसडीएल की वेबसाइट पर 'शिक्षा' अनुभाग के तहत उपलब्ध हैं।

डीमैट खाते के बारे में अक्सर पूछे जाने वाले सवाल

डीमैट खाते से संबंधित सुविधाओं और इससे जुड़ी मुख्य बातों में विभिन्न संशोधनों / परिवर्धनों के बारे में निवेशकों को अद्यतन जानकारी प्रदान करने के लिए, एनएसडीएल द्वारा 'अक्सर पूछे जाने वाले सवाल' (एफएक्यू) का विस्तार से प्रकाशन किया गया है। इसे ज्यादातर निवेशकों द्वारा पूछे जाने वाले सवालों के जवाब देने के लिए तैयार किया गया है। सभी संबंधित लोगों के फायदे के लिए, ऊपर बताई गई सभी प्रकाशित सामग्रियों के इलेक्ट्रॉनिक संस्करण को एनएसडीएल की वेबसाइट पर 'शिक्षा' टैब के तहत उपलब्ध कराया गया है।

आगामी निवेशक जागरूकता कार्यक्रम

निवेशकों को निवेश के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराने में मदद करने के लिए एनएसडीएल की ओर से निवेशक जागरूकता कार्यक्रम (आईएपी) का आयोजन किया जाता है। निवेशकों के हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर अलग-अलग भाषाओं में इन कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। जून 2022 के दौरान एनएसडीएल ने 80 कार्यक्रमों का आयोजन किया /भाग लिया। इन कार्यक्रमों में 4,700 से अधिक निवेशक शामिल हुए। आगामी कार्यक्रमों/वेबिनार के लिए निर्धारित समय-सारणी https://nsdl.co.in/Investor-Awareness-Programmes.php पर ऑनलाइन प्रकाशित की जाती है। हम आप सभी को इन कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हैं। आपके कर्मचारियों, कर्मचारियों, छात्रों या सदस्यों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने में हमें खुशी होगी। अगर आप इस तरह का कोई कार्यक्रम आयोजित कराना चाहते हैं, तो कृपया हमें info@nsdl.co.in पर लिखें।

नॉलेज विन्स कांटेस्ट

एनएसडीएल डीमैट खाते कितने देशों में मौजूद हैं?

उत्तर भेजने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें या क्यू आर कोड स्कैन करें

25 भाग्यशाली विजेताओं को मिलेंगे उपहार

पिछले महीने के विजेता

अनिलकुमार माधवन - एर्नाकुलम
अपूर्व जैठलिया - बूंदी
भरत पटेल - वडोदरा
चंद्रशेखर राठौर - अनूपपुरी
ध्रुवेश परमार - वडोदरा
जगदीश गुप्ता - वडोदरा
कबीर अहमद - बदरपुर
कुणाल तजाने - चंद्रपुर
कुश खतवानी - अमरावती
मुकेश जैन - जोधपुर
मुनीश कुमार - बरेली
प्रशांत प्रधान - पुरी
प्रवीण एस कुमार - बोकारो
प्रेम प्रकाश अग्रवाल - अजमेर
रश्मि शर्मा - भुवनेश्वर
रोहिदास टंडले - अहमदनगर
रोमिन खिलजी - बूंदी
सागर मेहर - भोपाल
सरस्वती शर्मा - एर्नाकुलम
सत्यनारायणन शेषैया - कांचीपुरम
सुशील खतवानी - अमरावती
उमेश भाटिया - फरीदाबाद
वैद्यनाथन एमएसवी - कांचीपुरम
वेणु कोडम - वारंगल
व्रज पटेल - वडोदरा

मुख्य कार्यालय

ट्रेड वर्ल्ड, ए विंग, चौथा माला, कमला मिल्स कंपाउंड, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई - 400013

शाखायें

अहमदाबाद कोच्चि कोलकाता चेन्नई जयपुर नई दिल्ली बेंगलुरु लखनऊ हैदराबाद

डीमैट संबंधित किसी भी शिकायत के लिए हमें relations@nsdl.co.in पर ई-मेल लिखें
डीमैट संबंधित अन्य किसी जानकारी के लिए हमें info@nsdl.co.in पर ई-मेल लिखें

नियम और शर्तें :

1)इस प्रतियोगिता के निष्पादन के लिए केवल एनएसडीएल जिम्मेदार रहेगा। यह प्रतियोगिता सिर्फ भारतीय नागरिकों के लिए है। 2)एनएसडीएल के कर्मचारी इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकते। 3)व्यक्तिगत जानकारी पूरी और सही होनी चाहिए। 4)आवश्यकता पड़ने पर एनएसडीएल प्रमाण की मांग कर सकता है| 5)एनएसडीएल को किसी भी समय बिना किसी पूर्व सूचना दिए, प्रतियोगिता बंद करने का अधिकार है। 6)विजेताओं का चयन एनएसडीएल द्वारा किया जाएगा। एनएसडीएल का निर्णय अंतिम होगा|

नेशनल सिक्युरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड इन्वेस्टर प्रोटेक्शन फण्ड ट्रस्ट की ओर से **प्रशांत वागल** (संपादक) द्वारा मुद्रित व प्रकाशित